कैसे करें शनिदेव को प्रसन्न

शनि-दोष निवारण के अचूक उ□ाय

FILE

अगर किसी जातक की जन्मकुण्डली में शनि नीच राशिगत, वक्री, अशुभ स्थान का स्वामी होकर अशुभ ग्रहों के प्रभाव में हो तो शनि अ□नी महादशा, अन्तर्दशा, साढ़ेसाती या ढैया अवधि, जन्म, शनि □र गोचर या शनि का गोचर होने □र अशुभ फल देता है।

शनि के अशुभ फल : व्यवसाय, नौकरी व कार्यों में बाधाए□अस्वस्थता, मानसिक अशान्ति, □ारिवारिक अशान्ति, धन-सञ्चय में कमी, □रेशानी□ूर्ण यात्राए□मित्रों से मतभेद, सन्तान सम्बन्धी चिन्ता, सट्टा में हानि, शत्रुओ□द्वारा □रेशानी, मुकदमा-बाजी, लाभ व मान प्रतिष्ठा में बाधाए□धन आगमन अवरुद्ध होना, व्यय का योग अधिक, हानि, ऋण में डूबना आदि।

ग्रहों की अशुभता को दूर करने के लिए उनसे सम्बन्धित मन्त्रों के जा□ करने से सफलता मिलती है। साथ ही ग्रह विशेष के मन्त्र जा□ से ग्रह की शुभता एव□बल में वृद्धि होती है। ज्योतिष के अनुसार शनिवार के दिन शनि की □ूजा विशेष रू□ से की जाती है।

इस दिन कोई नया काम शुरू नही□करना चाहिए। शनिवार को अखण्ड नारियल नदी में प्रवाहित करने से शान्ति मिलती है। प्रत्येक शनिवार को हनुमान चालीसा का □ाठ करने तथा शनिदेव के दर्शन कर तेल चढ़ाने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

कैसे करें शनि-दोष निवारण, अचूक उ□ाय

शनिदेव को शान्त करने के लिए दान और □ूजन का विधान है। शनि की अनिष्टता निवारण के लिए शनिवार को शनिदेव के मन्दिर में तेल चढ़ाए□व दान करें। इसके अलावा काले तिल, काली उड़द, लोहा, काले वस्त्र, काली कम्बल, छाता, चमड़े के जूते, काली वस्तुए□आदि। शनिदेव के मन्दिर के बाहर □ुराने जूते और वस्त्रों का त्याग करना भी फायदा देता है।

FILE

इसके अलावा शनिदेव का व्रत रखने से भी शनि प्रसन्न होते हैं। शनि की अनिष्टता निवारण के लिए शनिवार का एकाशना करना चाहिए। अगर व्रत न कर सकें तो मा□ाहार व मदिरा□ान नही□करना चाहिए और स□म□ूर्वक प्रभु स्मरण करना चाहिए।

शनि मुद्रिका से □हु□ता है लाभ-

ज्योतिष विशेषज्ञ की सलाह अनुसार काले घोड़े के खुर की नाल की अभिम□ित अ□ूठी मध्यमा अ□ुली में धारण करनी चाहिए।

शनि □ीड़ा निवारण र□:

शनि दोष निवारण के लिए शनि र□ नीलम धारण करना चाहिए लेकिन यह केवल तुला, वृषभ, मकर, कु□ राशि या लग्न के व्यक्तियों को ही धारण करना चाहिए। शनिदोष के निवारण हेतु शुभ मुहूर्त में अनुष्ठान से अभिम□ित किया हुआ शनि य□ धारण करने से शनि की □ीड़ा शा□ हो जाती है।

शनि दोष निवारण के लिए किस देवता की □ूजा करें

शनिदोष से □ीड़ित जातकों को भगवान□शिव, सूर्य, हनुमान जी की आराधना करनी चाहिए। भगवान शिव, सूर्य व हनुमान की आराधना करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और शनि की □ीड़ा शा□ हो जाती है।

शनि दोष निवारण के लिए नित्य भगवान□शिव के □□ाक्षर म□ 'ॐ नमः शिवाय' का ज□ करना चाहिए तथा महामृत्यु□य म□ -'ॐ त्र्य□क□ यजामहे सुगन्धि□□ुष्टिवर्द्धन□उर्वारुकमिव बन्धनान□मृत्योर्मुक्षीय मामृतात'□का ज□ करना चाहिए।

इसके अलावा सूर्य नारायण के 'ॐ घृणि□सूर्याय नमः' म□ का जा□ तथा 'आदित्य हृदय स्तोत्र' का प्रातः □ाठ करना चाहिए।

हनुमानजी बनाए□बिगड़े काम-

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार तथा मञ्जलवार को महावीर हनुमानजी की आराधना करें। 'ॐ हनुमते नमः' मन्त्र का ज□ करना चाहिए। नित्य 'हनुमान चालीसा' व 'सुन्दरकाण्ड' का □ाठ करने से अशुभ समय के अशुभ प्रभावों में निश्चित रू□ से

कमी होती है।